भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 818
सोमवार, 28 जुलाई, 2025 (6 श्रावण, 1947 (शक)) को दिया जाने वाला उत्तर

आर सी एस- उड़ान के अंतर्गत नए गंतव्यों को जोड़ने की योजना

818. श्री महेंद्र भट्टः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उड़ान योजना की किफायती हवाई यात्रा उपलब्ध कराने और संतुलित क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देने में क्या भूमिका रही है;

(ख) इस योजना के अंतर्गत अब तक कौन-कौन से नए हवाई मार्ग शुरू किए गए हैं और क्या सरकार की इस योजना के अंतर्गत नए गंतव्यों को जोड़ने की कोई योजना है; और

(ग) क्या सरकार की योजना में उत्तराखंड राज्य के दूरस्थ पहाड़ी जिलों को प्राथमिकता दी गई है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): नागर विमानन मंत्रालय ने अल्पसेवित और असेवित क्षेत्रों में हवाई संपर्क में सुधार के लिए दिनांक 21 अक्टूबर, 2016 को आरसीएस-उड़ान योजना का आरंभ किया है। यह योजना चयनित सीटों पर हवाई किराए की सीमा निर्धारित करके और परिचालन लागत तथा अपेक्षित राजस्व के बीच के अंतर को कम करने के लिए एयरलाइनों को व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) प्रदान करके किफायती हवाई यात्रा को बढ़ावा देती है। यह योजना परिचालन लागत कम करने और क्षेत्रीय मार्गों को समर्थन देने के लिए केंद्रीय और राज्य सरकारों, संघ राज्य क्षेत्रों और हवाईअड्डा प्रचालकों से एयरलाइनों को वित्तीय प्रोत्साहन और रियायतें भी प्रदान करती है।

आरसीएस-उड़ान योजना' के प्रारंभ होने के पश्चात से, 637 आरसीएस मार्ग परिचालित हो गए हैं, जो देशभर में 15 हेलीपोर्टों और 2 वॉटर एयरोड्रोमों सहित 92 असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों को जोड़ते हैं। टियर-2 और टियर-3 शहरों को राष्ट्रीय विमानन मानचित्र पर लाकर, 'उड़ान योजना' ने यात्रा समय को काफी कम कर दिया है तथा निवासियों, व्यवसायों दोनों के लिए बेहतर पहुँच और पर्यटन में सुधार किया है।

उत्तराखंड राज्य में 13 हवाईअड्डों/हेलीपोर्टों को जोड़ने वाले 60 आरसीएस मार्ग परिचालनरत किए गए हैं।

सरकार ने अगले 10 वर्षों में 120 नए गंतव्यों तक क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने और 4 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान करने के लिए संशोधित उड़ान योजना आरंभ करने की घोषणा की है। क्षेत्रीय हवाई संपर्क विशेष रूप से अल्पसेवित और असेवित क्षेत्रों हेतु, को और बढ़ाने के लिए, यह योजना पर्वतीय, आकांक्षी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के जिलों में हेलीपैडों और छोटे हवाईअड्डों को भी सहयोग प्रदान करेगी।

******